दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 01-10-2025

सीआरएसयू में पीएम टीबी मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम

टीबी मुक्त भारत अभियान वर्ष 2025 तक देश को क्षय रोग (टीबी) से पूरी तरह मुक्त कराने का लक्ष्य

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित किया गया। टीबी मुक्त भारत अभियान वर्ष 2025 तक देश को क्षय रोग (टीबी) से पूरी तरह मुक्त कराने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

जींद. प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि यह अभियान न केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम है, बल्कि यह मानवता के उत्थान के लिए चलाया जा रहा सामाजिक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी मिलकर जागरूकता फैलाएं और समय पर इलाज सुनिश्चित करें तो भारत को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ कोमल ने शिरकत की। उन्होंने छात्रों को ट्यूबरकुलोसिस की गंभीरता, इससे बचाव के तरीकों और विशेष रूप से भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही टीबी उन्मूलन योजनाओं के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा की बच्चे सिर्फ की रोकथाम में ही नहीं, बल्कि इसे ख़त्म करने के राष्ट्रीय मिशन में भी एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। निक्षय पोषण योजना जैसी पहल तभी सफल होगी जब बच्चे जागरूक होकर इन योजनाओं को उन लोगों तक पहुंचाएंगे जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। डॉ. कोमल ने छात्रों को टीबी के मुख्य लक्षणों (दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन घटना) की पहचान करने और समय पर स्वास्थ्य केंद्र जाने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. नवीन लडवाल ने कहा कि टीबी उन्मूलन में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। डॉ. जगपाल मान ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोग टीबी को लेकर कई भ्रांतियों और झिझक के शिकार हैं। इसी कारण कई मरीज समय पर इलाज नहीं करा पाते।

अमर उजाला

Date – 01/10/2025

सीआरएसयू में टीबी जागरूकता कार्यक्रम

जींद (जुलाना), 30 सितंबर (हप्र)

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय(सीआरएसयू) जींद में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि यह अभियान न केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम है, बल्कि यह मानवता के उत्थान के लिए चलाया जा रहा सामाजिक आंदोलन है। यदि हम सभी मिलकर जागरूकता फैलाएं और समय पर इलाज सुनिश्चित करें तो भारत को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नागरिक अस्पताल जींद से प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. कोमल ने शिरकत की।

पंजाब केसरी

Date – 01/10/2025

सी.आर.एस.यू. में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जींद, 30 सितम्बर (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई द्वारा आयोजित किया गया, जिस में छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया टी.बी. मुक्त भारत अभियान साल 2025 तक देश को क्षय रोग (टी.बी.) से पूरी तरह मुक्त कराने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. रामपाल सैनी ने अपने संदेश में कहा कि यह अभियान न केवल एक स्वास्थ्यकार्यक्रम है, बल्कि यह मानवता के उत्थान के लिए चलाया जा रहा सामाजिक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि यदि हम सभी मिलकर जागरूकता फैलाएं और समय पर इलाज सुनिश्चित करें तो भारत को टी.बी. मुक्त बनाने का लक्ष्य अवश्य प्राप्त होगा।

कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सामान्य अस्पताल, जींद से प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर, डॉ. कोमल ने शिरकत की। उन्होंने छात्रों को ट्यूबरकुलोसिस (टी.बी.) की गंभीरता, इससे बचाव के तरीकों और विशेष रूप से भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही टी.बी. उन्मूलन योजनाओं के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बच्चे सिर्फ टी.बी. की रोकथाम में ही नहीं, बल्कि इसे खत्म करने के राष्ट्रीय मिशन में भी एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। निक्षय पोषण योजना जैसी पहल तभी सफल होगी जब बच्चे जागरूक होकर इन योजनाओं को उन लोगों तक पहुंचाएंगे जिन्हें इनकी सबसे ज्यादा जरूरत है। डॉ. कोमल ने छात्रों को टी.बी. के मुख्य लक्षणों (दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन घटना) की पहचान करने और समय पर स्वास्थ्य केंद्र जाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवीन लडवाल, कार्यक्रम समन्वयक, एन.एस.एस. ने किया।

उन्होंने कहा कि टी.बी. उन्मूलन में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। युवाओं के माध्यम से समाज में जागरूकता तेजी से फैल सकती है। विश्वविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा आने वाले दिनों में गांव-गांव जाकर लोगों को टी.बी. के लक्षणों, कारणों और उपचार के बारे में जानकारी देने के साथ-साथ दवाइयों की नियमित खुराक की महत्ता भी समझाई जाएगी। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं समाज में बदलाव के वाहक होते हैं और इस अभियान की सफलता उनके सक्रिय सहयोग पर निर्भर करती है।

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जगपाल मान ने कहा कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोग टी.बी. को लेकर कई भ्रांतियों और झिझक के शिकार हैं। इसी कारण कई मरीज समय पर इलाज नहीं करा पाते। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें और उन्हें यह संदेश दें कि टी.बी. एक पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है, बशर्ते समय पर इलाज और नियमित दवा ली जाए।

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

Date – 01/10/2025

सीआरएसयू में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया टीबी मुक्त भारत अभियान साल 2025 तक देश को क्षय रोग (टीबी) से पूरी तरह मुक्त कराने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।